02952-221909 rjvs10@yahoo.in www.rjvs.in rjvs.ngo

# हौसलों की उड़ान

अंक - 06 | अप्रैल-जून 2026

## त्रैमासिक प्रमुख उपलब्धियां

- नारी अदालत के माध्यम से न्याय और समाधान की मजबूत पहल
- युवा महोत्सव में सैकड़ों किशोरियों की सार्थक भागीदारी
- एकल महिलाओं की आवाज, एकजुट होकर उठीं प्रमुख मांगे
- किशोरी लीडर्स का विभिन्न विषयों पर क्षमतावर्धन
- समुदाय, सहयोगियों एवं साझेदारों के सहयोग से सकारात्मक बदलाव

# युवा महोत्सव - 2026

## उत्साह : प्रेरणा : परिवर्तन

**युवा महोत्सव–2026** में राजसमंद एवं भीलवाड़ा जिले की सैकड़ों किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, राजसमंद ने संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए "बेटी पढ़े–पीढ़ी बढ़े" का संदेश दिया और बालिका शिक्षा को सशक्त समाज की आधारशिला बताया। कार्यक्रम में किशोरियों ने स्वागत गीत, "ओ रे चिरैया..." की भावपूर्ण प्रस्तुति, बाल विवाह रोकथाम एवं शिक्षा पर आधारित नाटक तथा जागृति परियोजना के 10 वर्षों की उपलब्धियों को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। शिक्षा, नेतृत्व, लैंगिक समानता और सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेशों ने सभी को प्रेरित किया।

### मुख्य आकर्षण

- बाल विवाह रोकने का सामूहिक संकल्प
- किशोरियों द्वारा नुक्कड़ नाटक
- सफलता की कहानियां
- प्रेरणादायक वक्तव्य
- संस्कृतिक प्रस्तुतियां

# 23 वाँ स्थापना दिवस

## न्याय, समानता, एवं महिला नेतृत्व की 23 वर्षों की यात्रा

**23वाँ स्थापना दिवस** "महिला हिंसा के खिलाफ, न्याय के साथ – नारी अदालत" थीम पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के एडिशनल जज ने महिलाओं को न्याय दिलाने में नारी अदालत जैसी सामुदायिक पहल की सराहना की।

इस अवसर पर संस्थान की 23 वर्षों की यात्रा एवं पिछले 20 वर्षों से संचालित नारी अदालत के माध्यम से महिला हिंसा, घरेलू प्रताड़ना, बाल विवाह एवं महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मामलों में किए गए हस्तक्षेप और सकारात्मक बदलावों को साझा किया गया। कार्यक्रम में अजमेर, अहमदाबाद, चित्तौड़गढ़, भीम एवं उदयपुर से आए संगठनों की सहभागिता रही तथा महिलाओं के न्याय, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए सामूहिक संकल्प दोहराया गया।

### कार्यक्रम की प्रमुख बातें

- राज्य के विभिन्न जिलों से भागीदारी
- नारी अदालत की यात्रा व आंकड़े
- महिला नेतृत्व का सम्मान
- नारी अदालत की फिल्म का विमोचन

# - नारी अदालत - संवाद से समाधान

**संवाद, समझ और सामुदायिक सहयोग से न्याय की ओर**

### नारी अदालत बनी सहारा

संस्थान द्वारा संचालित नारी अदालतों में पारिवारिक विवादों एवं घरेलू हिंसा से जुड़े मामलों की सुनवाई कर पीड़ित महिलाओं को परामर्श, सहयोग एवं न्याय दिलाने का प्रयास किया गया। इस तिमाही में एक पति-पत्नी के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद का सफलतापूर्वक आपसी समझौता कराया गया, जबकि **कुल 12 मामलों** को कानूनी परामर्श एवं आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित संस्थाओं को रेफर किया गया।

### इस तिमाही की उपलब्धियां

| 25 | 12 | 11 | 02 |
|---|---|---|---|
| मामलों की सुनवाई | मामलों का समाधान | प्रक्रियाधीन | मामलें रेफर |

## - मेरी कहानी - "डर से आत्मविश्वास तक का सफर"

एक समय था जब मैं अकेले घर से बाहर निकलने और अपनी पसंद से जीवन जीने से डरती थी। समाज और पारिवारिक सोच के कारण मेरे सपने सीमित थे। संस्था से जुड़ने के बाद बैठकों, गतिविधियों और **GDA (नर्सिंग) प्रशिक्षण** ने मेरे भीतर आत्मविश्वास और नई सोच विकसित की।

आज मैं बिना किसी डर के अपने निर्णय लेती हूँ, अकेले आ-जा सकती हूँ और अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही हूँ। मेरे परिवार का मुझ पर विश्वास बढ़ा है और मुझे देखकर कई परिवार अपनी बेटियों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। डर से आत्मविश्वास तक का यह सफर मेरे जीवन का सबसे बड़ा बदलाव है, जिसके लिए मैं संस्थान की पूरी टीम की आभारी हूँ।

## एकल महिलाओं ने बुलंद की आवाज

एकल महिला दिवस पखवाड़े के दौरान अपराजिता परियोजना के तहत जिले के 8 ब्लॉकों की 40 ग्राम पंचायतों की एकल महिलाओं ने सामाजिक सुरक्षा एवं सम्मानजनक जीवन से जुड़ी अपनी मांगों को मजबूती से उठाया। अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री के नाम **1000** से अधिक पोस्टकार्ड भेजे गए तथा जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

अभियान के माध्यम से एकल महिलाओं ने सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के लिए संगठित होकर अपनी आवाज बुलंद की तथा सरकार से उनकी मांगों पर संवेदनशीलता के साथ शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की।

- पेंशन राशी 3000रु. करना
- खाध्य सुरक्षा
- आवास व्यवस्था
- योजनाओं का सरलीकरण
- एकल नारियों को प्राथमिकता

**माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए**

# यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य प्रशिक्षण

### किशोरी लीडर क्षमतावर्धन

संस्थान द्वारा सुकून परियोजना के अंतर्गत 50 किशोरी लीडर्स का एक दिवसीय क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य किशोरियों में माहवारी स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म प्रबंधन के प्रति वैज्ञानिक समझ विकसित करना तथा उन्हें समुदाय स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए तैयार करना था।

प्रशिक्षण के दौरान माहवारी से जुड़े मिथकों एवं भ्रांतियों, स्वच्छता, संतुलित आहार, संक्रमण से बचाव तथा सेनेटरी पैड, पुनः उपयोग योग्य कपड़े के पैड एवं मेंस्टुअल कप के सुरक्षित उपयोग पर जानकारी दी गई। समूह चर्चा एवं प्रश्नोत्तर के माध्यम से किशोरियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। अंत में 50 किशोरी लीडर्स को पर्यावरण अनुकूल पुनः उपयोग योग्य सेनेटरी नैपकिन वितरित किए गए तथा उन्होंने अपने-अपने गांवों में माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

| 50 किशोरी लीडर | माहवारी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता | मेंस्टुअल कप तथा सेनेटरी पैड की जानकारी | पर्यावरण की सुरक्षा व बचाव |
|---|---|---|---|

## समुदाय की आवाज

"मैंने सीखा कि कोई भी काम केवल पुरुषों या महिलाओं का नहीं होता, मेहनत और लगन ही असली पहचान बनाती है"

**पूजा खारोल (किशोरी लीडर)**

"महिलाओं की एकजुट आवाज़ ने वर्षों पुरानी सड़क की समस्या को समाधान में बदल दिया, संगठित महिलाओं की आवाज़ बदलाव की सबसे बड़ी ताकत होती है"

**सुनीता खटीक फील्ड फैसिलिटेटर**

**हमारी नई डॉक्यूमेंट्री**

# "देखो परचम लहराता है"





**नारी अदालत**

**23 वर्षों के संघर्ष, बदलाव और महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक यात्रा पर आधारित डॉक्यूमेंट्री।**

**डॉक्यूमेंट्री देखने के लिए**

**QR कोड स्कैन करें**


**राजसमन्द जन विकास संस्थान** द्वारा प्रकाशित

**संपादन** शकुंतला पामेचा

**मार्गदर्शन** अरविन्द कुमार पामेचा

**लेखन एवं डिजाईन** भूपेन्द्र सिंह/प्रदीप

**सहयोग** समस्त संस्थान सदस्य